शोध-सारांश

प्रस्तुत शोध कार्य के प्रथम अध्याय में प्रस्तावना के अंतर्गत पाण्डो जनजाति की संस्कृति एवं इनकी मान्यताओं को स्पष्ट किया गया है कि किस प्रकार से मनुष्य प्रकृति से जुड़ा हुआ है तथा मानव जीवन में संदर्भ प्रौद्योगिकी एवं भौतिक संस्कृति के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति भावनात्मक सम्बन्धों को भी जन्म देता है। पाण्डो जनजाति के अंदर प्रकृति के प्रति श्रद्धा,भय,आतंक एवं विश्वास किस तरीके से बना हुआ है, उसका उल्लेख इस अध्याय में किया गया। इसके अलावा शोध विषय का चुनाव, शोध विषय का उद्देश्य एवं उसके महत्व को भी स्पष्ट किया गया है। साथ ही पूर्व में किए गए अध्ययनों का पुनरावलोकन एवं क्षेत्र परिचय इस अध्याय के अंतर्गत किया गया है।

अध्याय-2 शोध कार्य की अध्ययन पद्धति एवं तकनीक के संदर्भ में है। प्रस्तुत शोध में अन्वेषणात्मक शोध प्रारूप को अपनाया गया है तथा तथ्य संकलन की विधि के रूप में निदर्शन पद्धति, साक्षात्कार निर्देशिका, अर्धसहभागी-अवलोकन, केंद्रीय समूह परिचर्चा, छायाचित्र तकनीक, अडियो रिकार्डिंग एवं द्वितीयक स्रोत का उपयोग किया गया है। तत्पश्चात तथ्यों का विश्लेषण किया गया है।

अध्याय-3 में पाण्डो जनजाति में प्रचलित संस्कारों का विस्तृत उल्लेख किया गया है। जिसमें जन्म संस्कार, विवाह संस्कार, मृत्यु संस्कार प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त पाण्डो जनजाति में जीविकोपार्जन के लिए प्रकृति की क्या भूमिका है एवं कंद-मूल आदि के संकलन से संबन्धित मान्यताओं का उल्लेख किया गया है। पाण्डो जनजाति के चयनित क्षेत्र में हथियों के प्रवेश के कारण उत्पन्न समस्याओं का भी उल्लेख इसी अध्याय के अंतर्गत किया गया है।

अध्याय-4 में पाण्डो जनजाति के द्वारा विभिन्न अलौकिक शक्तियों में विश्वास रखने आदि का उल्लेख किया गया है। इस अध्याय में पाण्डो जनजाति के देवी-देवताओं के बारे में तथा उन्हें प्रसन्न रखने हेतु किए जाने वाले अनुष्ठानिक क्रियाओं के बारें में बताया गया है। पाण्डो जनजाति के त्यौहार आदि का उल्लेख भी इस अध्याय के अंतर्गत किया गया है।

अध्याय-5 के अंतर्गत प्राप्त निष्कर्ष का उल्लेख किया गया है। जिसके अंतर्गत यह पाया गया कि इस जनजाति में प्रकृति कि मान्यताओं से जुड़ी कई मिथके प्रचलित हैं। इसके अतिरिक्त सभी कार्यों में पाँच की संख्या का बहुत महत्व है। जन्म के समय पाँच पत्तों के द्वारा अन्नप्रासन, शादी में पाँच फेरे, आत्म-परीक्षण में पाँच पत्तियों एवं पाँच चावल के दानों आदि का प्रयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त मृत्यु संस्कार में भी पाँच की संख्या का महत्व है। जिसका कारण इन्होनें पाँच अंकों का शुभ होना माना है जो पाँच पांडव के मिथक पर आधारित है।

Research-summary

In the first chapter of the research work presented under Pando tribe culture and preface their assumptions explained how that has been linked to human nature and life technology and physical culture reference in as well as emotional relations to the environment also gives birth. Pando tribe homage of nature inside, fear, terror and how to believe were mentioned in this chapter. In addition, the purpose of the research subject of the research topic and importance has been demonstrated. As well as review and field studies conducted in the past introduction under this chapter.

Chapter-2 study method and technique of reference to research work. Presents research exploratory wells have been adopted and fact research format as method of sample collection method, interviews, participant-observation, central directory group discussion, photo techniques, audio recording and use the secondary source. Later analysis of the facts.

Chapter-3 describes the prevailing impressions in Pando tribe. Birth rites, marriage rites, death rites which are key. In addition, Pando tribe in what is the role of the nature of and earn tuber-basic assumptions associated with the compiling etc. Pando tribe due to the entry of the selected area of the problems arising under this chapter.

Chapter-4 in various super natural powers by Pando tribe in faith etc have written about. Pando tribe deities in this chapter and keep them happy about the religious actions for. Pando tribe of the festival was also mentioned under this chapter.

Chaper-5 describes the conclusions obtained under. Which it was found many of the tribes that the assumptions attached to nature in myth. In addition the number of all functions of five. Five cards at birth in five rounds, Annprasann, marriage by self-test consist of five leaves and use five rice kernels etc.In addition five in the number of death rites, she has good cause to be five points which is based on the myth of the Pandav.